जैसलमेर में सोनार दुर्ग स्थित एक मकान की छत गिरी, हादसा टला

हाल ही में आई बारिश के बाद से मकान कमजोर हो गया था और छत गिर गई

- छत गिरने के समय घर में और आसपास में कोई नहीं होने से जनहानि नहीं हुई
- दो दिन पहले ही दुर्गवासियों ने धरना देकर मकानों की रिपेयरिंग कराने की मांग की थी
- दुर्ग रहवासियों के अनुसार वर्तमान में 14 मकान ऐसे हैं, जिनकी हालत जर्जर है

जैसलमेर शहर में पिछले दिनों आई बरसात से सौनार दुर्ग स्थित मकान की छत गिर गई।

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर में पिछले दिनों आई लगातार बरसात से दुर्ग में स्थित एक मकान की छत गिर गई। सूचना मिलने पर शहर कोतवाल सवाईसिंह ने दुर्ग पर आकर छत गिरने वाले मकान के आसपास रहने वालों से जानकारी ली। छत गिरने के समय घर में और घर के आसपास में कोई नहीं होने से कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार दुर्ग के सैकड़ों निवासियों द्वारा दो दिन पहले ही किले के मुख्य द्वार के आगे धरना देकर प्रशासन से मांग रखी थी कि दुर्गवासियों को अपने मकानों का रिपेयरिंग कार्य करवाने दिया जाये, ताकि भविष्य में कोई जनहानि होने से बचा जा सके, परन्तु प्रशासन द्वारा धरने को नजरअंदाज कर लिया। उसी के नतिजनन गुरुवार को यह मकान की छत गिर गई है, दुर्ग रहवासियों के अनुसार वर्तमान में 14 मकान ऐसे है जिनकी हालत जर्जर है।

शहर कोतवाल सवाईसिंह ने बताया कि मकान कमल व्यास का बताया जा रहा है। मकान मालिक किले से बाहर ही ढिब्बापाड़ा में रहता है। मकान काफी समय से खाली है। हाल ही में आई बारिश के बाद से मकान कमजोर हो गया था और छत गिर गई। सिंह ने बताया कि ऐहतियातन जिस गली में मकान गिरा है, उसको बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया है और वहां पुलिस को नियुक्त किया गया है ताकि कोई अंदर गली में ना जाए। लोगों के अनुसार शहर में इन दिनों फ्रांस, इटली, जापान एवं अन्य देशों से विदेशी सैलानियों के ग्रुप आ रहे हैं यही ग्रुप दुर्ग देखने भी आ रहे हैं। भविष्य में सैलानियों के दुर्ग घूमते समय कोई मकान गिरने की घटना होने पर अनहोनी हो जाती है तो प्रशासन को दिल्ली में बैठे इन देशों के एम्बेसेडरों को जवाब देना भारी पड़ जायेगा।

इंटरनेट के इस युग में विदेशी सैलानियों को किले के जर्जर मकानों की जानकारी मिल जाने से सैलानी अपना जैसलमेर घूमने का कार्यक्रम रद्द कर देंगे। पुरातत्व विभाग के उच्च अधिकारी का हैड क्वाटर जैसलमेर में नहीं होने से भी खासी परेशानी दुर्गवासियों को झेलनी पड़ रही है। दुर्ग स्थित निजी आवासीय मकानों के मरम्मत कार्यों को, स्थानीय प्रशासन एवं पुरातत्व विभाग द्वारा नहीं किया जाने से ही गुरुवार को मकान की छत गिरी है।

दुर्ग निवासी दिनेशकुमार श्रीपत ने बताया कि दो दिन पूर्व हुई भारी बारिश के बाद गुरुवार को धूप के तप से दीवारें तड़कने से किले के मध्य स्थित एक ख्यातनाम हवेली धमाके के साथ अंदर से धराशायी हुई है। प्रशासन दुर्ग के संरक्षण के प्रति गंभीरता से ध्यान दें। प्रशासन पानी की निकासी के पुराने गुटनालियों सहित डिफेक्टिव सिविर लाइंस को दुरस्त करावे। उन्होंने बताया कि दुर्ग की प्राचीर के संरक्षण के प्रति एलोटेड बजट का सही उपयोग सुनिश्चित हों ताकि दुर्ग की सुरक्षा अक्षुण बनी रहे, साथ ही दुर्ग के आवासीय एवं व्यावसायिक मकानों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के प्रति लगाई हुई एप्लीकेशन पर पुरातत्व विभाग एवं नगरपरिषद विचार कर अनुमति देवें।

शहर के वरिष्ठ नागरिक कमलकिशोर ने बताया कि केंद्रीय पुरातत्व विभाग और डेजर्ट नेशनल पार्क का वन विभाग यह दोनों विभाग जिला प्रशासन की बात भी नहीं सुनते, ना ही जनप्रतिनिधि इस समस्या हेतू लोकसभा में बोलते हैं। उसी का नतीजा है कि डेजर्ट नेशनल पार्क एरिया में रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही है और पुरातत्व विभाग दुर्ग रहवासियों को अपने निजी मकानों की रिपेयरिंग करवाने पर रोक लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता को जागृत होने की आवश्यकता है तभी समाधान होगा।

मांडलगढ़ के निकट अरावली की पहाड़ियों पर छाई हरितिमा के मध्य प्राचीन पर्यटन स्थल मेनाल का जलप्रपात सावन माह में यौवन पर है। इस दूधिया जल प्रपात का आकर्षक नजारा देखने और यहां पिकनिक पर हजारों सैलानी रोज पहुंच रहे हैं। मेनाल में बहते पानी में नहाने के साथ मनोहारी नजारे का लुफ्त भी सैलानी उठा रहे हैं।

कोटा-इटावा ट्रेन पर बदमाशों ने हमला किया

हमले में आरपीएफ जवान व ट्रेकमैन घायल, मोतीपुरा रेलवे स्टेशन की घटना

छबड़ा, (निसं)। मोतीपुरा चौकी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार तड़के चार अज्ञात लूटेरों ने कोटा-इटावा ट्रेन (19811) पर हमला कर दिया। बदमाशों के इस हमले में एक आरपीएफ जवान और ट्रैकमैन घायल हो गया। दोनों को उपचार के लिए छबड़ा सीएचसी में लाया गया।

रेलवे सूत्रों ने बताया कि गुरूवार तड़के तीन बजे कोटा-इटावा ट्रेन मोतीपुरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर खड़ी थी। तभी दूसरी तरफ से आए चार अज्ञात बदमाशों ने ट्रेन में चढ़कर यात्रियों को लूटने की कोशिश की। सूचना पर गश्त कर रहे आरपीएफ के हैड कांस्टेबल रूपसिंह और ट्रैकमेंटेनर मनीष मीना तुरंत मौके पर पहुंच गए। इनके ललकारते ही बदमाश भाग खड़े हुए। दोनों ने दौड़ लगाते हुए भागते बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन तभी बदमाशों ने रेलवे ट्रेक पर पड़ी गिट्टियों से अचानक दोनों पर जोरदार हमला कर दिया। इस हमले में एक गिट्टी रूपसिंह के सिर पर लगी जिससे वह गंभीर घायल हो गया। इसी तरह गिट्टी लगने से मनीष के हाथ-पैर और शरीर पर भी चोटें आईं। इसके बाद मोतीपुरा स्टेशन स्टॉफ ने दोनों को तुरंत छबड़ा चिकित्सालय पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रैफर कर दिया, जहां कोटा रेलवे चिकित्सालय में दोनो का उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही बारां और कोटा जीआरपी, आरपीएफ तथा बापचा थाना पुलिस मोतीपुरा और छबड़ा अस्पताल पहुंची। मामले की जांच कोटा जीआरपी द्वारा की जा रही हैं।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

क्रमांक :- राजुवास/बीवीएससी एण्ड एएच प्रवेश/2024-25/204 दिनांक :- 08.08.2024

B.V.Sc. & A.H. डिग्रीपाठ्यक्रम में प्रवेश के क्रम में आवश्यक सूचना

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के सक्षम अनुमति प्राप्त संघटक एवं सम्बद्ध प्राईवेट वेटरनरी कॉलेजों में B.V.Sc.& A.H. डिग्री पाठ्यक्रम (सत्र 2024–25) में प्रवेश National Testing Agency (NTA) द्वारा आयोजित NEET (UG)-2024 परीक्षा की मेरिट के आधार पर किया जायेगा। ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन आवेदन जो कि NRI/NRI sponsored कोटे के अभ्यर्थियों के लिए दिनांक 12 अगस्त, 2024 तथा स्टेट कोटा अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाईन आवेदन दिनांक 21 अगस्त, 2024 से विश्वविद्यालय वेबसाइट www.rajuvas.org के माध्यम से भरे जायेंगे। प्रवेश हेतु अन्य आवश्यक विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट उपलब्ध रहेंगे।

चेयरमैन,
केन्द्रीय स्नातक प्रवेश मण्डल

राज.संवाद/सी/24/3532

चचेरे भाई-बहन तालाब में डूबे, मौत

जोधपुर, (कासं)। जिला जोधपुर ग्रामीण के खेड़ापा थाना क्षेत्र के बावड़ी गांव के निकट चटालिया गांव में तालाब में डूबने से चचेरे भाई-बहन की मौत हो गई। दोनों भाई-बहन गांव के बाहर बकरियां चराने के लिए गए हुए थे। इसी दौरान एक तालाब में डूबने से दोनों की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार घटना खेड़ापा थाना क्षेत्र के चटालिया गांव की है। यहां पर चचेरे भाई-बहन बकरियां चराने के लिए आज दिन में गए थे। इसी जगह पर तालाब आया हुआ है। यहां पर संभवतः पानी पीने के दौरान पैर फिसलने की वजह है बहन तालाब में गिर गई। बहन को बचाने का प्रयास में भाई भी तालाब में डूब गया। खुद तैरना नहीं आने की वजह से दोनों की डूबने से मौत हो गई। मृतक बालिका का नाम बत्तू और भाई का नाम प्रकाश बताया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद खेड़ापा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को बाहर निकालकर सोयला अस्पताल पहुंचाया।

सैनिक स्कूल में बच्चों के साथ यौन शोषण मामले में टीचर को 20 साल की सजा

चार साल आठ महीने बाद आया फैसला, झुंझुनूं की पोक्सो कोर्ट ने फैसला सुनाया

आरोपी टीचर।

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं जिले में स्थित एक सैनिक स्कूल में बच्चों के साथ यौन शोषण के मामले में गुरूवार को झुंझुनूं की पोक्सो कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आरोपी शिक्षक रवींद्र सिंह शेखावत को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए पांच अलग-अलग धाराओं में दोषी मानते हुए 81 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक ओमप्रकाश सैनी बगड़ ने बताया कि सैनिक स्कूल में 12 बच्चों ने स्कूल में शिकायत की थी कि उनके टीजीटी अंग्रेजी के टीचर रवींद्र सिंह शेखावत उनके अपने कमरे में बुलाकर उनके साथ यौन शोषण करते हैं। जिस पर सात दिसंबर 2019 को सैनिक स्कूल ने अपनी पनिसमेंट मोनेटेरिंग सेल की बैठक बुलाई और मामले में निर्णय लेते हुए टीचर के खिलाफ सदर थाने में पोक्सो की धाराओं में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कालीपहाड़ी निवासी 36 वर्षीय शिक्षक रवींद्र सिंह शेखावत को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में करीब पांच साल ट्रायल चला। इस दौरान 36 गवाहों के बयान करवाने के अलावा 85 साक्ष्य दस्तावेज कोर्ट में पेश किए गए। आज पोक्सो कोर्ट ने पोक्सो एक्ट की 5/6 में दोषी मानते हुए रवींद्र सिंह को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा चार अन्य धारा और इसी धारा में कुल 81 हजार रूपए की अर्थदंड से दंडित किया है। कोर्ट ने इस मामले में गंभीर टिप्पणी करते हुए यह भी कहा है कि सैनिक स्कूल जैसे विद्यालयों में बच्चे अपने परिवार से दूर रहकर पढ़ाई करते हैं। इसलिए ऐसी स्कूलों के शिक्षक, सिर्फ शिक्षक ही नहीं, बल्कि अभिभावक की भूमिका में भी होते है। यदि अभिभावक के संरक्षण में इस तरह के कृत्य होंगे, तो वो गंभीर विषय है और जघन्य अपराध है। इस मामले में सबसे पहले एक बच्चे ने सामने आकर स्कूल प्रबंधन को अपने साथ हुए यौन शोषण की बात कही थी। जिसके बाद एक-एक कर 12 बच्चे ऐसे सामने आए थे।

दिसंबर 2019 में बच्चों ने टीचर रवींद्रसिंह के खिलाफ जो बयान दिए थे। उनमें बताया था कि वह बच्चों को अपने रूम में लंच के समय रेस्ट टाइम या फिर रात को कॉपी-किताब के बहाने बुलाता था और गंदी-गंदी बातें करता था। इसके बाद उनके साथ यौन शोषण करता था। किसी को बताने पर उनके मां-बाप को जेल भिजवाने की धमकी देने के अलावा उनके साथ भी चप्पलों और रॉड से पीटता था। साथ ही बच्चों को स्कूल से सस्पैंड या फिर निकाल देने की धमकी भी देता था। जब अपने साथ हुए यौन शोषण के बाद कुछ बच्चे मायूस और डरे-सहमे दिखाई भी देते थे। तो अन्य टीचरों के पूछने पर ये बच्चे डरे हुए बीमार होने के बहाने बना लेते थे।

इस मामले में परिजनों ने भी बताया था कि टीचर रवींद्र सिंह शेखावत ने पेरेंट्स को विश्वास में ले रखा था। पेरेंट्स की नजर में यदि सबसे बेस्ट टीचर का अवार्ड किसी को मिलना चाहिए तो वो रवींद्र सिंह शेखावत ही था। वह हर बच्चे के घर तक घुसा हुआ था। साथ ही इस बात को भी दोहराता था कि बच्चे को पढाने और अनुशासन में रखने के लिए उसे पीटना भी पड़ेगा। तो घर वाले मारपीट जैसी शिकायतों पर गौर नहीं करते थे। वहीं खुद ही अपने आप में पॉवरफुल था। इसलिए बच्चे भी कोई शिकायत करने डरते थे।

जिस वक्त घटना खुली तो कई बच्चे स्कूल से टीसी कटवाने को तैयार हो गए थे। लेकिन बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने लगातार बच्चों की काउंसलिंग कर उन्हें पढाई करने के लिए प्रेरित किया। दो-तीन बच्चे तो ऐसे थे। जिनके मन में गुस्सा भरा हुआ था। कोई जांच अधिकारी जब रवींद्र सिंह शेखावत को सर बोलकर संबोधित करता था तो वे बोलते थे कि प्लीज उन्हें सर मत बोलिए।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-मण्डरायल

क्रमांक- 225-233 दिनांक-05.08.2024

निविदा सूचना संख्या-01/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE- PWD2425A1024, UBN-PWD2425WSOB03833

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड मण्डरायल

DIPR/C/7141/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-बाड़मेर

क्रमांक-551 दिनांक-31.07.2024

निविदा सूचना संख्या- 03 वर्ष 2024-2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बाडमेर जिले में विभिन्न सड़क एवं भवन निर्माण कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए व बी, सी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://spps.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। उक्त कार्यो में अनबेलेन्स बिड लागू रहेगी।

1. PWD2425WSRC03747, 2. PWD2425WSRC03748, 3. PWD2425WSRC03749

NIB NO.: PWD2425A0989

अधिशाषी अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग,
खण्ड-बाड़मेर

DIPR/C/7086/2024

सहोदरा नदी के बहाव क्षेत्र में बहे चाचा-भतीजा, भतीजे की मौत

- पांच दिन पूर्व हुई बारिश के बाद सहोदरा नदी में बहने से तीन मौतें हो चुकी है

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र में 44 साल बाद पांच दिन पूर्व हुई भारी बारिश ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़कर 684 मिलीमिटर बरसात होने का एक नया रिकॉर्ड बना लिया। तो पांच दिन पूर्व हुई भारी बारिश के बाद उफान पर आई सहोदरा नदी के बहाव क्षेत्र में बह जाने से अब तक तीन मौतें हो चुकी है।

गुरूवार की सवेरे इंदोली निवासी चाचा-भतीजा पशु लेकर अपने खेतों की ओर जा रहे थे तो इंदोली से नयागांव जाटान के बीच बने रपटे पर असंतुलित हो बहाव के साथ बहे अपने चाचा को बचाने कूदा भतीजा भी पानी में बह गया। चाचा-भतीजा को एक साथ पानी मे बह जाने व चीख पुकार सुनकर आसपास से गुजर रहे ग्रामीण व चरवाहों ने नदी में कूदकर कर दोनों को बचाने की कोशिश की लेकिन तेज बहाव के चलते चाचा-भतीजा दूर तक पानी के वेग के साथ बह गये। ग्रामीणो ने भी पानी के आगे अपनी हार मानने के बजाय लगातार संघर्ष कर इंदोली निवासी वृद्ध जवाहर जाट को तो पानी से निकाल लिया, अर्द्धचेतन अवस्था में जवाहर जाट को मालपुरा अस्पताल मे उपचार के लिये भर्ती करवाया। जहां से हालत चिन्ताजनक होने पर जयपुर रैफर किया गया।

नदी के बहाव मे दो ग्रामीणों के बह जाने की मिली सूचना पर मौके पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने नदी के बहाव में रैस्क्यू शुरू किया। जवानों के साथ ग्रामीण भी पानी में बहे रामलाल पुत्र नारायण जाट की तलाश में जुट गये। करीब एक घंटे से अधिक समय तक चले रैस्क्यू में एसडीआरएफ जवानों ने रामलाल को खोज निकाला। अचेतावस्था में रामलाल को मालपुरा अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। चाचा-भतीजा को निकालने के लिये नदी में कूदे मृतक रामलाल के बेटे विनोद को भी मालपुरा अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उपचार शुरू किया गया। परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवा पुलिस ने शव परिजनों को सौंपा।

युवक ने सुसाइड का प्रयास किया

भीलवाड़ा, (निसं)। आर्थिक तंगी से परेशान युवक ने सुसाइड का प्रयास किया। सुसाइड की कोशिश से पहले बनाया वीडियो सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। कोटड़ी थाना क्षेत्र के ककरोलिया माफ़ी निवासी कैलाश पिता श्याम लाल नायक (35) ने बताया की वह गांव के ही कुछ लोगो से उधार दिए पैसे मांगता है। लम्बे समय से उसका ही पैसा उसे लौटाया नही जा रहा था।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) उदयपुर

क्रमांकः/निविदा/PMFME-CIC(O&M)/2024–25/403–414 दिनांकः– 07.08.2024

ई–निविदा सूचना: 08/ 2024–25

कृषि उपज मण्डी समिति, (फल सब्जी) उदयपुर द्वारा खाद्य प्रसंस्करण सुविधाओं के लिये दो प्रसंस्करण लाईनों (1. Fruits Pulp and Juice line and 2. Cleaning, grading, Packaging and Paste Unit of Spices) हेतु कॉमन इन्क्यूबेषन सेन्टर की स्थापना की जा रही है। इन्क्यूबेषन सेन्टर को व्यावसायिक आधार पर किसी तीसरे पक्ष/निजी संस्थान को 05 वर्ष हेतु ठेके पर संचालन एवं प्रबंधन (O&M) के लियें इच्छुक योग्य निर्माताओं/वितरकों/फर्मो/पंजीकृत संस्थाओं/कम्पनीयों से दिनांक 08.08.2024 से 28.08.2024 तक ई–निविदा आंमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबन्धित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.agriculture.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। (NIB:-DAM2425A0265) UBN:-DAM2425WSOB00620

राज.संवाद/सी/24/3557 प्रशासक सचिव

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POLICE RAJ JAIPUR

v-15(5)PS/SAMGRI/PDF/2024-25/ DATED-

NOTICE INVITING BIDS

NIB NO. POL2425A0014

Bids for Many Item's of estimated value INR 1,40,70,000/- are invited from interested bidders up to 05.08.2024 at 11.00 am. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in) (https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, and https://www.police.rajasthan.gov.in

UBN.- Laser Printer-POL2425GLOB00023, Latest Note Book - POL2425GLOB00024, All in One Desktop - POL2425GLOB00025, Bodyworn Camera - POL2425GLOB00026, Scanner - POL2425GLOB00027, Multifunctional Printer - POL2425GLOB00028, Colour Pirnter - POL2425GSOB00029

Supdt. of Police
Central Stores, PHQ Raj. Jaipur
Tel- 0141-2744289
Mail ID- sp.cstore.pmw@rajpolice.gov.in

DIPR/C/7058/2024

रलायता गांव की चरागाह भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की मांग

आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया

- चरागाह भूमि पर अवैध कब्जा कर किये निर्माण को लेकर भूमाफिया और ग्रामीणों में तनाव बना हुआ है

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ उपखण्ड के रलायता ग्राम पंचायत में पटवारी और जिम्मेदार अफसरों की कथित लापरवाही के चलते चरागाह भूमि विवाद पर कभी भी बड़ी घटना होने की आशंका बनी हुई है। गांव की चरागाह की भूमि पर अवैध कब्जा कर किए गए कच्चे और पक्के निर्माण को लेकर भूमाफिया और ग्रामीणों में तनाव की स्थित बनी हुई है। इस मामले को लेकर रलायता गांव के लोगों ने पंचायत कार्यालय पर प्रदर्शन कर तहसीलदार ललित डिडवानिया को ज्ञापन दिया।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि रलायता ग्राम पंचायत की चरागाह भूमि मुख्य मार्ग पर स्थित हैं।और बेशकीमती मानी जाती है। उक्त भूमि पर हुए अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर पटवारी ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की है, जबकि ग्राम पंचायत ने पटवारी को भी अवगत कराया है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय पटवारी से मिलीभगत कर चरागाह की जमीन पर भूमाफिया ने पक्के मकान और बड़ी साइज में पशुधन के बाड़े बना लिए हैं। ग्रामीणों ने मांडलगढ़ एसडीएम, तहसीलदार व पटवारी को पूर्व में कई बार शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन प्रशासन ने अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं ग्रामीणों को अपने पशुओं को चराने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि भूमाफिया गिरोह प्रभावशली होने प्रशासन कार्रवाई में ढिलाई बरत रहा हैं जिससे कभी भी टकराव की स्थिति उतपन्न हो सकती है। ज्ञापन देने में रलायता गांव के जगदीश चंद्र जाट, कैलाश प्रजापत, सांवरलाल जाट, भंवर प्रजापत, प्रकाशचंद्र, शंकर लाल, मथुरा लाल, बद्री लाल, भैरूलाल, पोखर जाट, उदय लाल धाकड़, कालू लाल जाट, सांवरमल, गणेश जाट, शंकर जाट, मंगल शर्मा, जमनालाल, रामलाल जाट, मथुरालाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

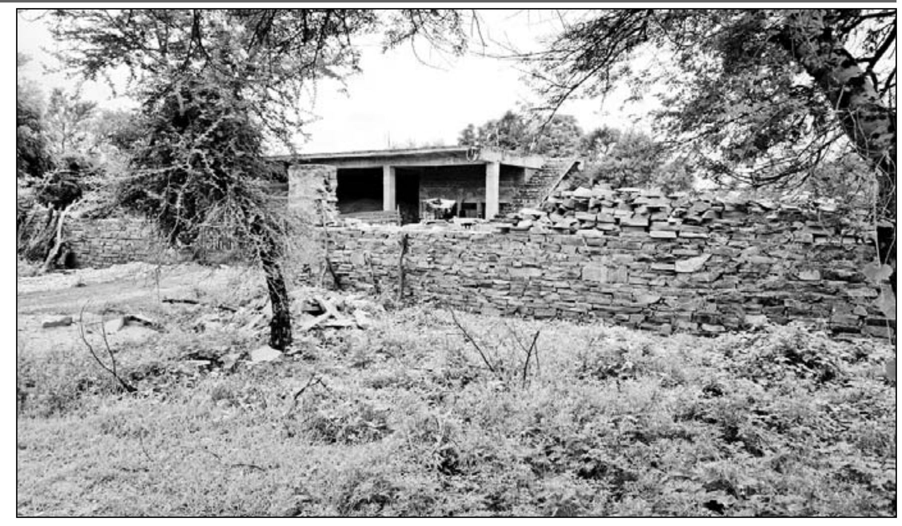

मांडलगढ़ के रलायता गांव की चरागाह भूमि पर अवैध मकान और बाड़े बना लिये।

Office of The Program Officer (EGS) Cum BDO Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

No.115 Date: 05.08.2024

Notice Inviting Bid-01/2024-25

Bid for Supply Work of Material and Equipments & Work tenders for various work as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat samiti sayla. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office.

Name of Gram Panchayat	approximate value of the procurement	UBIN
Ummedabad	100.00 Lakh	ZJR2425GLRC00315
Komta	60.00 Lakh	ZJR2425GLRC00319
Chorau	50.00 Lakh	ZJL2425GLRC00318
Veerana	50.00 Lakh	ZJL2425GLRC00317
Anwloj	80.00 Lakh	ZJR2425GLRC00316
Mandwla	100.00 Lakh	ZJR2425GLRC00322
Elana	80.00 Lakh	ZJR2425GLRC00321

Programme Officer (EGS) Cum BDO
Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

DIPR/C/7127/2024